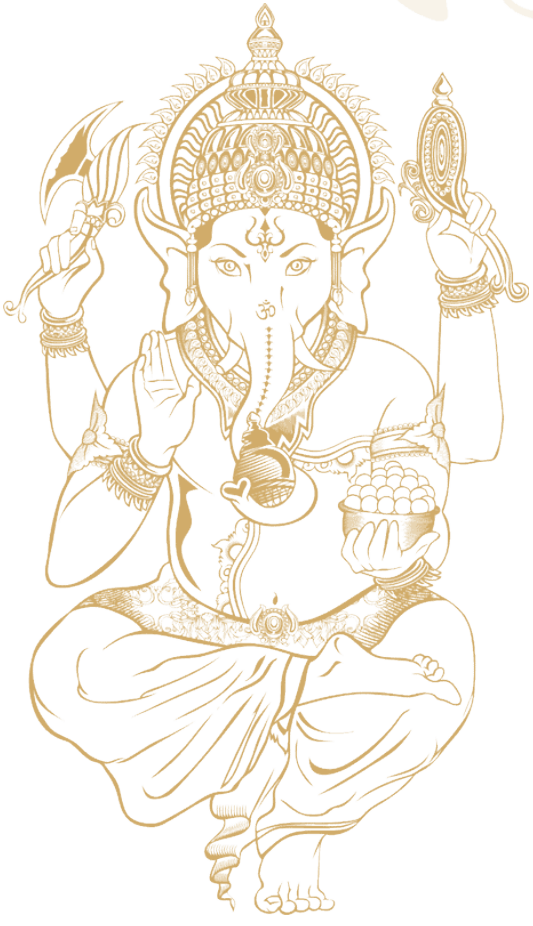

Jitendra

06 Oct 1998

12:20 AM

Bikaner

Model: web-freekundliweb

Order No: 121770502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**5-06/10/1998**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**00:20:00 घंटे**
इष्ट	44:31:43 घटी
स्थान	**Bikaner**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:01:00 उत्तर
रेखांश	73:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:43:28 घंटे
वेलान्तर	00:11:28 घंटे
साम्पातिक काल	00:40:26 घंटे
सूर्योदय	06:31:18 घंटे
सूर्यास्त	18:18:25 घंटे
दिनमान	11:47:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	18:29:19 कन्या
लग्न के अंश	26:53:44 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	ध्रुव
करण	बव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देवांशु
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	26:53:44	310:55:31	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	18:29:19	00:59:07	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	सम राशि
चंद्र			मीन	17:40:51	15:10:50	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
मंगल			सिंह	05:06:01	00:36:48	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मित्र राशि
बुध		अ	कन्या	25:55:38	01:39:30	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	स्वराशि
गुरु	व		कुंभ	26:43:35	00:06:50	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			कन्या	12:10:19	01:14:54	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	नीच राशि
शनि	व		मेष	07:43:07	00:04:22	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	07:00:18	00:04:53	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	07:00:18	00:04:53	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	15:02:39	00:00:39	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	05:33:24	00:00:12	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	12:09:01	00:01:35	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			मीन	17:09:22	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:13

लग्न-चलित

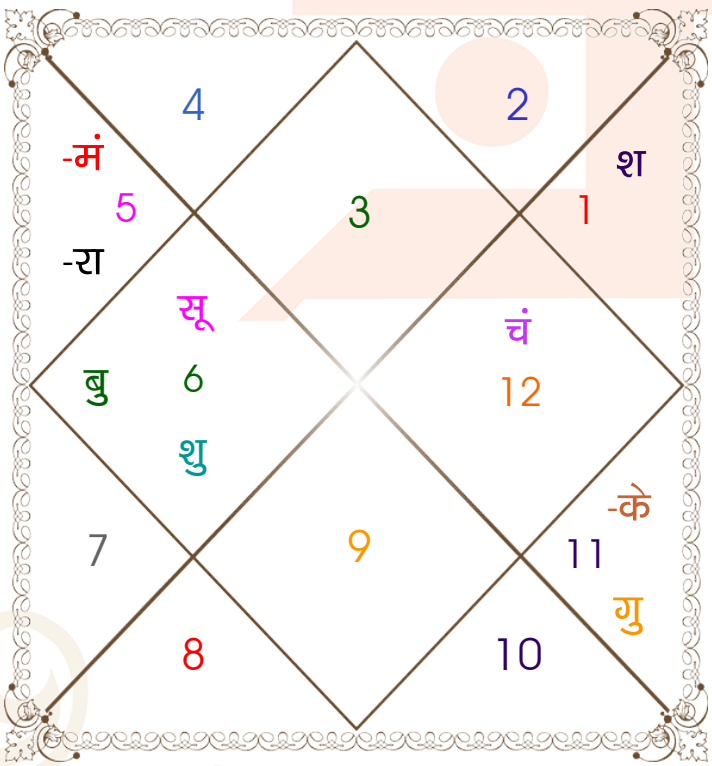

चन्द्र कुंडली

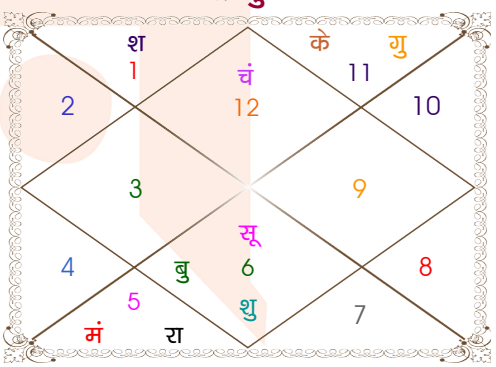

नवमांश कुंडली

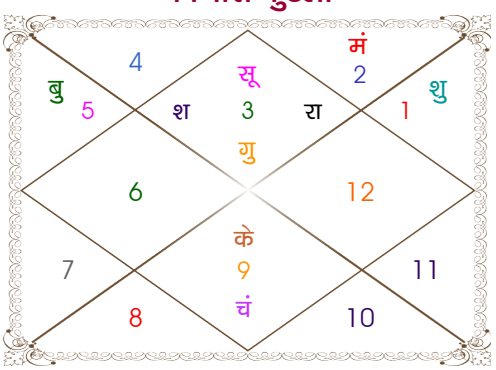

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 15 वर्ष 8 मास 14 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
06/10/1998		20/06/2014		20/06/2021		20/06/2041		21/06/2047	
20/06/2014		20/06/2021		20/06/2041		21/06/2047		20/06/2057	
बुध	17/11/1999	केतु	17/11/2014	शुक्र	20/10/2024	सूर्य	08/10/2041	चंद्र	20/04/2048
केतु	13/11/2000	शुक्र	17/01/2016	सूर्य	20/10/2025	चंद्र	08/04/2042	मंगल	19/11/2048
शुक्र	14/09/2003	सूर्य	24/05/2016	चंद्र	21/06/2027	मंगल	14/08/2042	राहु	21/05/2050
सूर्य	20/07/2004	चंद्र	23/12/2016	मंगल	20/08/2028	राहु	09/07/2043	गुरु	20/09/2051
चंद्र	20/12/2005	मंगल	21/05/2017	राहु	21/08/2031	गुरु	26/04/2044	शनि	20/04/2053
मंगल	17/12/2006	राहु	08/06/2018	गुरु	21/04/2034	शनि	08/04/2045	बुध	20/09/2054
राहु	05/07/2009	गुरु	15/05/2019	शनि	20/06/2037	बुध	13/02/2046	केतु	21/04/2055
गुरु	11/10/2011	शनि	23/06/2020	बुध	20/04/2040	केतु	20/06/2046	शुक्र	20/12/2056
शनि	20/06/2014	बुध	20/06/2021	केतु	20/06/2041	शुक्र	21/06/2047	सूर्य	20/06/2057

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
20/06/2057		20/06/2064		20/06/2082		20/06/2098		21/06/2117	
20/06/2064		20/06/2082		20/06/2098		21/06/2117		00/00/0000	
मंगल	16/11/2057	राहु	03/03/2067	गुरु	08/08/2084	शनि	24/06/2101	बुध	07/10/2118
राहु	05/12/2058	गुरु	27/07/2069	शनि	19/02/2087	बुध	03/03/2104		00/00/0000
गुरु	11/11/2059	शनि	02/06/2072	बुध	27/05/2089	केतु	12/04/2105		00/00/0000
शनि	20/12/2060	बुध	20/12/2074	केतु	03/05/2090	शुक्र	12/06/2108		00/00/0000
बुध	17/12/2061	केतु	08/01/2076	शुक्र	01/01/2093	सूर्य	25/05/2109		00/00/0000
केतु	15/05/2062	शुक्र	07/01/2079	सूर्य	20/10/2093	चंद्र	24/12/2110		00/00/0000
शुक्र	15/07/2063	सूर्य	02/12/2079	चंद्र	19/02/2095	मंगल	02/02/2112		00/00/0000
सूर्य	20/11/2063	चंद्र	02/06/2081	मंगल	26/01/2096	राहु	09/12/2114		00/00/0000
चंद्र	20/06/2064	मंगल	20/06/2082	राहु	20/06/2098	गुरु	21/06/2117		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 15 वर्ष 8 मा 13 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।